

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : 261

बुधवार, 19 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

चंद्रयान-4 मिशन

***261. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार का चंद्रयान-4 मिशन आरंभ करने का विचार है;
- (ख) यदि हां, तो इसके उद्देश्यों और लक्ष्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) उक्त मिशन पर कुल कितना व्यय होने की संभावना है तथा इसके अंतर्गत कितनी धनराशि अभिनिर्धारित/संस्वीकृत/जारी की गई है;
- (घ) चंद्रयान-4 मिशन आरंभ होने से देश को क्या लाभ होने की संभावना है; और
- (ङ) उक्त मिशन कब तक आरंभ होने की संभावना है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (ङ) इस संबंध में सभा के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

“चंद्रयान-4 मिशन” के संबंध में बुधवार, 19 मार्च, 2025 को उत्तर देने हेतु श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे और श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 261 के जवाब में लोक सभा के पटल पर प्रस्तुत विवरण।

(क) जी, हां।

(ख) चंद्रयान-4 का प्राथमिक लक्ष्य दक्षिणी उच्च तुंगताओं से चंद्रमा के नमूने एकत्र कर उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन के लिए पृथ्वी पर वापस लाना है। इसके लिए विविध महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन किए जाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर किसी भारतीय का अवतरण होगा।

(ग) उक्त मिशन की कुल लागत ₹2104 करोड़ है और यह राशि संस्वीकृत की गई है।

(घ) विभाग अपने पूर्व के मिशनों के माध्यम से चंद्रमा की सतह का सुनियोजित अन्वेषण और विविध प्रौद्योगिकियों का उन्नयन करता रहा है। चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा के अन्वेषण को साकार करने हेतु अगला मिशन है और इसके लाभ निम्नलिखित हैं:

- I. चंद्रमा पर आगामी कर्मिदल युक्त मिशन के लिए महत्वपूर्ण प्रथम स्तर की प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन।
- II. लैंडर और रोवर मिशन के द्वारा स्व-स्थाने किए गए अध्ययन की तुलना में वैज्ञानिक रूप से गहराई में चंद्र नमूनों के अध्ययन हेतु अवसर प्रदान करना।
- III. कर्मिदल युक्त मिशनों सहित आगामी ग्रहीय मिशनों के आयोजन हेतु महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त करना और बताना।
- IV. देश में चंद्र विज्ञान को उन्नत बनाने में प्राप्त उपलब्धियों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाना।
- V. देश की प्रौद्योगिकीय और वैज्ञानिक क्षमता का संवर्धन करना तथा इस प्रकार के प्रतिष्ठित प्रयासों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत बनाना।

(ङ) यह मिशन अक्टूबर 2027 के दौरान प्रमोचन के लिए निर्धारित है।